माननीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री का दिनांक 12.09.2022 को आयोजित होने वाली 'एनसीसी कैडेटों के साथ परस्पर बातचीत' संबंधी भाषण

मुझे आज एनसीसी कैडेटों को संबोधित करते हुए बहुत हर्ष हो रहा है। मैं काफी समय से यह सोच रहा था कि हमारे नशा मुक्त भारत अभियान का सर्वोत्तम अग्रदूत कौन होना चाहिए, और आपको देखकर मुझे विश्वास हो गया है कि वास्तव में आप ही हमारे सर्वोत्तम अग्रदूत हैं। मुझे आपका चयन करते हुए बहुत खुशी हो रही है क्योंकि हमारे युवा ही हमारे देश का भविष्य हैं।

2. मैं इस संबंध में आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहूंगा कि नशीले पदार्थों के दुरुपयोग से संबंधित विकार एक गंभीर समस्या है जो देश के सामाजिक ताने-बाने को बुरी तरह से प्रभावित कर रही है। किसी भी नशीले पदार्थ पर निर्भरता न केवल व्यक्ति विशेष के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालती है, अपितु इससे उसका परिवार तथा पूरा समाज प्रभावित होता है। विभिन्न किस्म के साइकोएक्टिव नशीले पदार्थों का नियमित उपयोग करने पर व्यक्ति उन पर निर्भर हो जाता है। कतिपय प्रकार के नशीले पदार्थ अनेक न्यूरो मनोचिकित्सीय विकृतियों, हृदय से संबंधित बीमारियां पैदा करते हैं तथा उनका उपयोग करने से दुर्घटनाएं, आत्महत्याएं तथा हिंसा भी होती है। अतः नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और उनकी निर्भरता को एक साइको-सामाजिक-चिकित्सा समस्या के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

3. इसलिए एनसीसी कैडेटोंकी भी यह जिम्मेदारी है कि वे समुचे भारत को ड्रग संवेदनशील बनाए और ड्रग-मुक्त भारत अभियान में कार्य करने के लिए अग्रदूत का रूप धारण करें। आप में से अधिकांश लोग पहले से ही नशामुक्त भारत अभियान के साथ जुड़े हुए हैं जिसे 2 वर्ष पूर्व 15 अगस्त, 2020 को देश के 272 चिन्हित जिलों में शुरू किया गया था जिसका उद्देश्य युवाओं, महिलाओं और समुदाय की ऐसी फौज तैयार करना है जो आत्म-निर्भर हो और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी से सुसज्जित हो। नुक्कड़ नाटकों, साइकिल रैलियों, प्रतियोगिताओं और भित्ति चित्रकारी के नए कार्यक्रमों के माध्यम से, यह अभियान मौजूदा सामाजिक परिस्थितियों के अनुकूल है और यह एक क्रांति लेकर आया है। अभी तक नशामुक्त भारत अभियान में 8 करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया है, जिनमें 3 करोड़ युवा, 2 करोड़ महिलाएं, 1.59 लाख शैक्षिक संस्थाएं शामिल हैं।

4. आपको यह जानकर खुशी होगी कि हमने इस अभियान के सफल प्रभाव को देखते हुए, इस अभियान का विस्तार किया है तथा 100 से अधिक जिलों की पहचान की है, जिनमें यह अभियान चलाया जाएगा। अब कुल मिलाकर 372 जिलों को इसमें शामिल किया है। हमारा लक्ष्य इस नशीले जहर को सम्पूर्ण देश से बाहर निकाल फेंकना है। जब तक प्रत्येक जिला ड्रग्स के बारे में संवेदनशील नहीं हो जाता है, तब तक न तो मैं, और न ही हमारी सरकार चैन से बैठेगी।

5. हमने उन पांच एनसीसी कैडेटों के बारे में सुना है, जो इस अभियान के कार्यकलापों के साथ जुड़े हुए हैं। उन्होंने इस नेक कार्य के लिए अदभुत योगदान दिया है। मुझे आशा है कि आप सब के सहयोग से

हम भारत को ड्रग मुक्त देश बना देंगे। यह क्रांति शांत नहीं होनी चाहिए, इसे और अधिक ऊर्जा मिलनी चाहिए तथा इसमें वह ज्वाला प्रज्ज्वलित होनी चाहिए, जो नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के विकारों से पीड़ितों के लिए मार्ग प्रशस्त कर दे। आपको जागरूक कैडेट, सृजक सिपाही, सचेत बालक, सावधान नागरिक बनना है और सबको एक साथ लाने के लिए सहानुभूति, साहस तथा क्षमता का विकास करना है।

6. मुझे पता चला है कि एनसीसी के 17 लाख कैडेट हैं। यदि आप लोग हमारे ड्रग-मुक्त भारत अभियान के पथ-प्रदर्शक के रूप में काम करें, तो मुझे आशा है कि हम आने वाले दिनों में इस समस्या को जड़ से उखाड़ फेंकने में सफल होंगे।

7. आप इस देश के भविष्य हैं और यदि आप आज से देश के निर्माण में कदम से कदम मिलाकर चलेगें तो तब न केवल हमारा देश मोदी जी के सपनों को साकार करने में सफल होगा, अपितु हम सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से आत्म-निर्भर हो जाएंगे। भारत फिर से जगत गुरु बनने के सपने को पूरा करने में सफल होगा और कोई भी हमें जगत गुरु बनने से रोक नहीं सकेगा।

8. हम नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत खुशहाल और शांतिपूर्ण राष्ट्र की परिकल्पना करते हैं, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति के लिए उपचार, पुनर्वास की सुविधा होगी और बिना किसी भेदभाव के उसकी बेहतरी के लिए समावेशी परिवेश होगा। हम देशभर के 500 से अधिक स्वयंसेवी संगठनों के माध्यम से उपयुक्त उपचार, प्रचार, समुदाय तक संपर्क और जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन कर रहे हैं। अक्सर कहा जाता है कि इस सामाजिक समस्या का उन्मूलन नहीं किया जा सकता, परंतु वास्तव

में मैं एक ऐसे राष्ट्र की परिकल्पना करता हूँ, जिसमें इस समस्या का समाधान किया जाएगा। हम अभियान के माध्यम से इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में प्रत्येक प्रयास के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

9. यदि हम निरंतर प्रयासों से सती प्रथा और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों को दूर कर सकते हैं, तो मुझे विश्वास है कि हम अपने सामाजिक ताने-बाने से नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को भी समाप्त कर सकते हैं। इस कार्य में प्रत्येक व्यक्ति का ड्रग संवेदी राष्ट्र के भविष्य में दृढ़ इच्छा और सहयोग के साथ काम करना आवश्यक है। हम अवश्य ही इस सकारात्मक परिवर्तन के साथ जल की हरेक बूंद के साथ क्रांति की लहर खड़ी कर देंगे।

10. हमारे मंत्रालय ने इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में नवचेतना मॉड्यूल विकसित किया है जो भारत के विद्यालयी छात्रों के मध्य जीवन कौशल और ड्रग्स के बारे में जागरूकता और शिक्षा प्रदान करेगा। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य न केवल विद्यालयी बच्चों के मध्य ड्रग्स के दुरुपयोग को मंद करना है, अपितु उसे हमेशा और पूरे जीवनकाल के लिए समाप्त करना है। यह मॉड्यूल परिवारों और शिक्षकों के लिए सूचना को साझा करने का अवसर भी प्रदान करता है तथा साथ ही किस तरह ड्रग-ग्रस्त बच्चों की सहायता, प्रगत ड्रग परीक्षण, परामर्शी सहायता और उपचार किए जा सकते हैं और प्रारंभ में ही ड्रग के दुरुपयोग के लक्षणों का पता लगाकर बच्चों की सहायता की जा सकती है। नवचेतना मॉड्यूल का भारत की 12 क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद किया जा रहा है। प्रत्येक मॉड्यूल शिक्षा मंत्रालय के दिक्षा पोर्टल (डिजिटल शिक्षा प्लेटफार्म) पर शिक्षक की सहायता के लिए ऑनलाइन

अपलोडिंग हेतु उपलब्ध होगा। इस मंत्रालय ने एक वर्ष में नवचेतना माँडूयल के माध्यम से 300 जिलों, 30000 स्कूलों, 10 लाख शिक्षकों और 2.4 करोड़ छात्रों को कवर करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। मैं आपको बताना चाहूंगा कि यह माँडूयल नशामुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) की यात्रा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

11. मुझे ये बताते हुए बड़ी खुशी हो रही है कि नशा मुक्त भारत अभियान के तहत, जब पिछले महीने हमने एक शपथ कार्यक्रम अगस्त माह के दौरान में किया, जहाँ से हम देश भर के सभी विद्यालयों, कॉलेजो और विश्वविद्यालय के माध्यम से बच्चो विद्यार्थियों से / जुड़े और उन्हें नशा मुक्त भारत के लिए शपथ दिलाई और उनसे कहा कि "नशे को कहे ना, जीवन को कहे हाँ" । आप को यह जानकर आश्चर्य होगा कि 98,543 विद्यालयों, कॉलेजो और विश्वविद्यालय के माध्यम से 1.66 करोड़ से ज्यादा विद्यार्थियों ने इसमें बढ़ चढ़ कर भाग लिया।

12. आप सब कैडेट इस समाज और राष्ट्र के मार्गदर्शक हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि आप कल हमारे राष्ट्र की आन और शान बनेंगे और आप न केवल ड्रग्स से दूर रहने के लिए दूसरे लोगों को शिक्षित करेगें अपितु हमारे साथ कदम से कदम मिलाकर काम करते हुए इसे जड़ से उखाड़ फेकेंगे। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपने भाषण को विराम देता हूँ।

13. अंत में दो पंक्तियां

आप कैडेट्स हमारी आन, बान, शान,

आप हमारे देश का अभिमान,
आप बने 'नशे से आज़ादी' का अग्रदूत महान,
देश को दिलाये नशा मुक्त पहचान,
विश्व में बढ़ाएँ देश का सम्मान।

धन्यवाद।

मेरे साथ मिलकर दो बार जोर से बोलिए-
भारत माता की जय।
भारत माता की जय।